उत्तर प्रदेश: दूसरी तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्था

चर्चा में क्यों?

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के आँकड़ों के अनुसार उत्तर प्रदेश सकल राज्य घरेलू उत्पाद (GSDP) के मामले में भारत में **दूसरा सबसे तेज़ी से वृद्धि करने वाला राज्य** बन गया है, जिसकी विकास दर 5.5% से बढ़कर **8.9%** हो गई है।

- **तमिलनाडु** 11.19% की GSDP वृद्धि दर के साथ **शीर्ष स्थान** पर है। अरुणाचल प्रदेश और मेघालय जैसे छोटे राज्यों ने भी 9.66% की उल्लेखनीय वृद्धि दर दर्ज की है।

मुख्य बिंदु

उत्तर प्रदेश की आर्थिक स्थिति के बारे में:

- नीति आयोग के अनुसार महाराष्ट्र और तमिलनाडु के बाद उत्तर प्रदेश भारत की तीसरी सबसे बड़ी **अर्थव्यवस्था** है।
- उत्तर प्रदेश ने वर्ष 2029 तक 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का महत्त्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है।
  - इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिये 10 प्रमुख क्षेत्रों की पहचान की गई है, जिनमें कानून और व्यवस्था, कृषि, बुनियादी ढाँचा, औद्योगिक विकास, **सामाजिक सुरक्षा** आदि पर ध्यान केंद्रित किया गया है।
- वित्त वर्ष 2023-24 में उत्तर प्रदेश का GSDP 25.48 लाख करोड़ रुपए रहा, जो पिछले वित्त वर्ष में 22.58 लाख करोड़ रुपए था।
- राज्य में वित्त वर्ष 2016-17 से वित्त वर्ष 2019-20 तक प्रति व्यक्ति आय में 23% की वृद्धि दर्ज की गई।
- वित्त वर्ष 2023-24 में GSDP में कृषि क्षेत्र का योगदान 13.7% से बढ़कर 16.8% हो गया।
  - इस बीच द्वितीयक क्षेत्र का योगदान GSDP में 23% है, जबकि तृतीयक क्षेत्र का योगदान 45% है।
- उत्तर प्रदेश भारत के राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद **में 8% का योगदान** देता है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/up-second-fastest-growing-economy